भारत सरकार

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

औषध विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2467

दिनांक 03 दिसम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

जन-औषधि केन्द्र

2467. श्री गोपाल जी ठाकुर

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का गरीब रोगियों को सस्ती कीमत पर दवाई वितरण करने के लिए दरभंगा जिले में स्थित सभी अस्पतालों में जन-औषधि केन्द्र खोलने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का दरभंगा में चिकित्सा कॉलेज और अस्पताल में जन-औषधि केन्द्रों की संख्या में वृद्धि करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्री (श्री डी. वी. सदानंद गौड़ा)

(क) और (ख): पीएमबीजेपी योजना की कार्यान्वयन एजेंसी भारतीय औषध पीएसयू ब्यूरो (बीपीपीआई) है, जो औषध विभाग, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य करती है। यह जनऔषधि केन्द्रों को फ्रैंचाइज़ी जैसे मॉडल के रूप में संचालित करती है जहां निजी उद्यमियों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा केन्द्रों को खोला एवं संचालित किया जाता है। किसी आउटलेट का खोला जाना किसी विशिष्ट क्षेत्र के लिए निजी उद्यमियों और गैर-सरकारी संगठनों की ओर से प्राप्त आवेदनों पर निर्भर करता है। इसके अलावा, सरकारी अस्पतालों में स्थान आबंटित करने में बीपीपीआई की कोई भूमिका नहीं होती है। दरभंगा से औषधि लाइसेंस के साथ केवल एक परिपूर्ण आवेदन प्राप्त हुआ है और यह स्टोर रामधानी सेवा सदन, जनरल अस्पताल, लोहना रोड़, उज्जैन, मनिगाछी में कार्य कर रहा है। इसके अलावा, दरभंगा से कोई और नया आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

(ग) और (घ): औषध विभाग ने माननीय मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव, बिहार सरकार को बिहार के अधिक से अधिक सरकारी अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र खोलने के लिए अनुरोध पत्र लिखे हैं। नागरिकों को वहनीय कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने हेतु जनऔषधि केंद्र खोलने में तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी से अनुरोध करते हुए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बीपीपीआई के विपणन अधिकारी भी जनऔषधि केंद्र खोलने के लिए निजी उद्यमियों, गैर-सरकारी संगठनों और बेरोजगार फार्मासिस्टों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन कर रहे हैं।

*****